नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में 'आदि शंकराचार्य व्याख्यानमाला' मंगलवार को कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल करेंगे उदघाटन

वर्धा, 27 अप्रैल 2020: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा "आदि शंकराचार्य व्याख्यानमाला" का आयोजन किया जा रहा है जिसका पहला व्याख्यान "सामाजिक-शैक्षिक अनुसंधान की दार्शनिक दृष्टि" विषय पर कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल देंगे.

इसकी घोषणा करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने बताया कि इस 28 अप्रैल को भारतीय संस्कृति के प्रमुख स्तंभ एवं अद्वैत वेदांत दर्शन के प्रतिपादक आदि शंकराचार्य की 1232वीं जयंती है. वर्ष 788 ई. के वैशाख माह की पंचमी तिथि को शंकराचार्य का जन्म वर्तमान केरल राज्य के कलाड़ी नामक स्थान पर हुआ था. आदि शंकर भारत के एक महान दार्शनिक एवं धर्मप्रवर्तक थे। उन्होंने अद्वैत वेदान्त को ठोस आधार प्रदान किया और सनातन धर्म की विविध विचारधाराओं का एकीकरण किया। उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। भारतीय संस्कृति के संवर्धन में उनके महान योगदान को याद करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ के अंतर्गत मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के तत्वावधान में "आदि शंकराचार्य व्याख्यानमाला" का आयोजन किया जाएगा. इसके अंतर्गत अगले एक वर्ष तक इस व्याख्यानमाला में दर्शन एवं शिक्षाशास्त्र संबंधित अनेक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किये जाएँगे. 28 अप्रैल को प्रातः 11 बजे इस व्याख्यानमाला का उद्घाटन व्याख्यान कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल देंगे जिसका प्रसारण फेसबुक, यू ट्यूब एवं अन्य माध्यमों से किया जाएगा. "सामाजिक-शैक्षिक अनुसंधान की दार्शनिक दृष्टि" विषय पर केंद्रित यह व्याख्यान शिक्षाशास्त्र एवं सामाजिक विज्ञान के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी होगा. शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने इस अवसर पर देश के सभी शोधार्थियों व शिक्षकों को इस व्याख्यान को देखने व सुनने का आह्वान किया है. उन्होंने कहा कि पूरा विश्वविद्यालय परिवार कुलपति प्रो. शुक्ल की इस अनूठी पहल के लिए उनका आभारी है. वर्तमान कोरोना आपदा के कारण पूरे देश में लॉकडाउन की स्थिति के बावजूद विभिन्न माध्यमों से विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रसार के लिए संकल्पित है एवं निरंतर इस दिशा में प्रयास कर रहा है.

हिंदी विश्वविद्यालयात 'आदि शंकराचार्य व्याख्यानमाला' मंगळवारी कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल करतील ऑनलाइन उदघाटन

वर्धा, 27 एप्रिल 2020: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात “आदि शंकराचार्य व्याख्यानमाला” आयोजित करण्यात येत असून व्याख्यानमालेचे प्रथम व्याख्यान मंगळवार 28 रोजी “सामाजिक-शैक्षणिक संशोधनाची तत्वज्ञान दृष्टी” या विषयावर कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल देतील.

28 एप्रिल रोजी शंकराचार्य यांची 1232 वी जयंती आहे. वर्ष 788 ई. च्या वैशाख महिण्यात पंचमीला शंकराचार्य यांचा जन्म वर्तमान केरळ राज्यातील कलाड़ी येथे झाला होता. आदि शंकर हे भारतातील एक महान दार्शनिक आणि धर्मप्रवर्तक होते. शिक्षण विद्यापीठातील मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकारच्या पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक व शिक्षण मिशन योजने अंतर्गत ही व्याख्यानमाला एक वर्ष पर्यंत सुरू राहील. 28 रोजी सकाळी 11.00 व्याख्यानमालेचे प्रथम पुष्प कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल गुंफतील. त्याचे प्रसारण फेसबुक, यू ट्यूब आणि इतर माध्यमांवर करण्यात येईल. शिक्षण विभागाचे अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर यांनी व्याख्यानाचा लाभ घेण्याचे आवाहन केले आहे.

………………………………………………………………………………………………
…..

माननीय संपादक/संवाददाता   महोदय,

कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करें।

धन्यवाद ।